(आधारित प्रेरितों के काम 8:9-23 पर)

शालोम! आप यीशु का अनुसरण क्यों करते हैं या चर्च क्यों जाते हैं? क्या आपका दिल सच में भगवान के सामने सही है?

प्रेरणा भगवान के लिए मायने रखती है

नए नियम में हम एक आदमी के बारे में पढ़ते हैं जिसका नाम शमौन था, जो जादू-टोना करता था और समरिया में कई लोगों को धोखा देता था। वह खुद को महान बताता था, और लोग उसे मानते थे, कहते थे, “यह आदमी ही वह परमेश्वर की शक्ति है जिसे महान कहा जाता है” (प्रेरितों के काम 8:10)। वह लंबे समय तक अपनी जादूगरी से उन्हें चमत्कृत करता रहा।

हालाँकि, जब उसने फिलिप्पुस द्वारा प्रचारित सुसमाचार को सुना, तो वह विश्वास किया और बपतिस्मा लिया। लेकिन यहाँ समस्या थी: उसका आंतरिक उद्देश्य न तो पश्चाताप था और न ही उद्धार—वह अधिक शक्ति चाहता था। उसने यीशु पर विश्वास किया था न कि पापों की क्षमा के लिए, बल्कि ताकि वह बड़े चमत्कारी कार्य कर सके। उसने ईसाई धर्म को अपने प्रभाव और जादू को बढ़ाने के एक साधन के रूप में देखा।

बाहरी क्रियाएँ सच्चे विश्वास के बराबर नहीं होतीं

प्रिय पाठक, यीशु को स्वीकार करना या बपतिस्मा लेना स्वतः ही यह नहीं दर्शाता कि आप प्रभु द्वारा स्वीकार किए गए हैं। अंदर से एक बदलाव होना चाहिए—एक वास्तविक हृदय परिवर्तन।

शमौन ने बस अपना “जादूगर का वस्त्र” एक “धार्मिक चादर” से बदल दिया था, और अपनी शक्ति की इच्छा को नए रूप में जारी रखा था।

आइए देखें कि बाइबल क्या कहती है:

प्रेरितों के काम 8:9-23 (एनआईवी)
9 लेकिन एक आदमी था जिसका नाम शमौन था, जो पहले शहर में जादू- टोना करता था और समरिया के लोगों को चमत्कृत करता था, और वह खुद को बड़ा आदमी बताता था।
10 वे सभी, छोटे से लेकर बड़े तक, उसका अनुसरण करते हुए कहते थे, “यह आदमी परमेश्वर की शक्ति है जिसे महान कहा जाता है।” 11 वे उसकी बातों पर ध्यान देते थे, क्योंकि वह लंबे समय तक अपनी जादूगरी से उन्हें चमत्कृत करता रहा।
12 लेकिन जब उन्होंने फिलिप्पुस को विश्वास किया, जो परमेश्वर के राज्य और यीशु मसीह के नाम का शुभ समाचार सुना रहे थे, तो वे पुरुष और महिलाएं बपतिस्मा लेने लगे।
13 यहाँ तक कि शमौन ने भी विश्वास किया, और बपतिस्मा लेने के बाद वह फिलिप्पुस के साथ रहने लगा। और जब उसने देखा कि

चमत्कारी चिह्न और बड़े चमत्कारी कार्य हो रहे हैं, तो वह चमत्कृत हो गया।
14 अब जब यरूशलेम में प्रेरितों ने सुना कि समरिया ने परमेश्वर का वचन स्वीकार किया है, तो उन्होंने पतरस और यूहन्ना को उनके पास भेजा।
15 वे वहाँ गए और उनके लिए प्रार्थना की कि वे पवित्र आत्मा प्राप्त करें,
16 क्योंकि वह अभी तक उन पर नहीं उतरा था, बल्कि वे केवल प्रभु यीशु के नाम पर बपतिस्मा लिए हुए थे।
17 तब उन्होंने उनके ऊपर हाथ रखा, और वे पवित्र आत्मा प्राप्त करने लगे।
18 अब जब शमौन ने देखा कि पवित्र आत्मा प्रेरितों के हाथों पर रखने से दिया जा रहा था, तो उसने उन्हें पैसे ऑफर किए, 19 और कहा, “मुझे भी यह शक्ति दो, ताकि जिस पर मैं हाथ रखूँ, वह पवित्र आत्मा प्राप्त कर सके।”
20 लेकिन पतरस ने उसे ताड़ते हुए कहा, “तुम्हारा पैसा तुम्हारे साथ नष्ट हो जाए, क्योंकि तुमने परमेश्वर की वरदान को पैसे से प्राप्त करने का सोचा है।
21 तुम्हारा इस बात से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि तुम्हारा हृदय भगवान के सामने सही नहीं है।
22 इसलिए इस बुराई से पश्चाताप करो और प्रभु से प्रार्थना करो कि, यदि संभव हो, तो तुम्हारे हृदय के विचार को क्षमा किया जाए।
23 क्योंकि मैं देखता हूँ कि तुम कड़वाहट की गैली में और अधर्म की बंधन में हो।”

आज के समय में चर्च में शमौन

आज के बहुत से लोग शमौन जैसे हैं:

कुछ पारंपरिक उपचारक या आत्मिक लोग हैं जो चर्च में जाते हैं और बपतिस्मा लेते हैं—लेकिन इसलिये नहीं क्योंकि वे मसीह को चाहते हैं। वे और अधिक आत्मिक प्रभाव चाहते हैं या अपनी असली पहचान छिपाना चाहते हैं।

कुछ राजनेता हैं जो चर्च में जाते हैं ताकि वे सार्वजनिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकें, न कि क्योंकि वे अपना जीवन मसीह को सौंपना चाहते हैं।

कुछ लोग चर्च जाते हैं क्योंकि:

वे एक जीवनसाथी ढूँढ रहे हैं।

वे मानते हैं कि इससे उन्हें नौकरियाँ या संपत्ति मिल सकती

हैं।

वे अपने नए कपड़े दिखाना चाहते हैं।

वे अकेले हैं और भीड़ या मनोरंजन की तलाश करते हैं।

वे भविष्यवाणियाँ या मुक्ति चाहते हैं—लेकिन पाप से पश्चाताप करने का कोई इरादा नहीं रखते।

एक परीक्षण: क्या आपका दिल सही है?

ठीक शमौन की तरह, ये लोग धार्मिक गतिविधियाँ कर सकते हैं—प्रार्थना करना, दान देना, चर्च जाना, यहां तक कि बपतिस्मा लेना—लेकिन भगवान हृदय को देखता है।

1 शमुएल 16:7 कहता है:

“मनुष्य तो जो सामने दिखता है उसे देखता है, परन्तु

परमेश्वर हृदय को देखता है।”

आप लोगों को धोखा दे सकते हैं, लेकिन आप भगवान को धोखा नहीं दे सकते। यीशु ने हमें चेतावनी दी थी कि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठेंगे (मत्ती 24:24), और वे सिर्फ उपदेशक नहीं होंगे। जो भी विश्वास का ढोंग करता है या व्यक्तिगत लाभ के लिए ईसाई धर्म का उपयोग करता है, वह झूठे भविष्यद्वक्ताओं में से है।

और आप?

क्या आप व्यभिचार में जी रहे हैं या बिना विवाह के साथ रहते हैं?
क्या आप अभी भी गाली-गलौच या झूठ बोलते हैं?
क्या आप भ्रष्टाचार, अफवाह या धोखाधड़ी में शामिल हैं? क्या आप अभी भी गुप्त पापों को पकड़े हुए हैं?

अगर हाँ, तो फिर आप खुद को एक ईसाई क्यों कहते हैं?

2 तीमुथियुस 2:19 कहता है:

“परमेश्वर का नाम लेने वाला हर व्यक्ति अधर्म से दूर हो
जाए।”

पैसे देना पाप को न्यायसंगत नहीं करता

जब आप पाप में बने रहते हुए बड़ी दान राशि देते हैं, तो यह भगवान को प्रभावित नहीं करता। आप शमौन से अलग नहीं हैं, जो पवित्र आत्मा की वरदान को पैसे से खरीदने की कोशिश कर रहा था।

पतरस ने उसे कड़ी फटकार लगाई:

“तुम्हारा पैसा तुम्हारे साथ नष्ट हो जाए… क्योंकि तुम्हारा हृदय भगवान के सामने सही नहीं है” (प्रेरितों के काम 8:20-21).

अभी भी उम्मीद है – पश्चाताप करें

अगर आपने यह अनजाने में किया है, तो फिर भी उम्मीद है। यीशु आपसे प्रेम करता है और आपको पश्चाताप का निमंत्रण दे रहा है। पश्चाताप केवल अविश्वासियों के लिए नहीं है—यह सभी के लिए है, जिसमें पादरी, भविष्यद्वक्ता और शिक्षक भी शामिल हैं।

2 इतिहास 7:14 कहता है:

“यदि मेरे लोग, जो मेरे नाम से पुकारे जाते हैं, अपने आप को नम्र करें और प्रार्थना करें और मेरे मुख को खोजें और अपने बुरे मार्गों से मुड़ें, तो मैं आकाश से सुनूँगा, उनके पापों को क्षमा करूँगा और उनके देश को चंगा करूँगा।”

आपको क्या करना चाहिए?

सभी ज्ञात पापों से पश्चाताप करें।

इन पापों से पूरी तरह मुड़ें।

यीशु मसीह के नाम में पानी में बपतिस्मा लेने के लिए जाएं
ताकि पापों की क्षमा मिल सके।

जैसा कि प्रेरितों के काम 2:38 में लिखा है:

“पश्चाताप करो और तुममें से प्रत्येक यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लें, ताकि तुम्हारे पापों की क्षमा हो, और तुम पवित्र

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

आत्मा की वरदान प्राप्त करोगे।”

और यूहन्ना 3:23 दर्शाता है कि बपतिस्मा में बहुत पानी की आवश्यकता होती है।

यदि आप यह एक सच्चे हृदय से करते हैं, तो भगवान आपको माफ कर देगा और आप यीशु मसीह के सच्चे अनुयायी बनेंगे। पवित्र आत्मा आपको आगे मार्गदर्शन करेगा।

इस संदेश को साझा करें

कृपया इस संदेश को दूसरों के साथ साझा करें। यदि आप इसी तरह की शिक्षाएँ ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त करना चाहते हैं, तो कृपया कमेंट या संपर्क करें:

+255 789001312

अंतिम शब्द:

“स्वयं को परखो, क्या तुम विश्वास में हो? स्वयं को परखो।”
— 2 कुरिन्थियों 13:5

क्या आपका दिल भगवान के सामने सही है?
अब समय है, इसे सही करने का।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp